आज का पुरुषार्थ 13 June 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" हम सब महान आत्मायें है, तो आज से ऐसा पुरुषार्थ करे ताकि हमसे सबको प्यार का, शुभ भावनाओं का अमृत मिलता रहे "*

हम सारा दिन संसार को देखते है। विशेष रूप से जिन मनुष्यों के हम **सम्बन्ध** में और **समीपता** में रहते है उनके प्रति हमारी दृष्टि क्या है इसका effect हमारे पूरी जीवन पर पड़ता है। हमारी **खुशी** इससे प्रभावित होता है। हमारी **एकाग्रता** पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है।

हमें check करना है। मान लो आपके आस-पास दस लोग है, आपके अपने close relative है, या फिर आपके साथ काम करने वाले है, **सम्पर्क** वाले है। उनके प्रति हमारी दृष्टि कैसी है?

किसी को देखकर हम सोचते है यह बड़ा खराब व्यक्ति है। किसी को देखकर हम सोचेंगे इसने हमारे जीवन को नष्ट कर दिया है। किसी को देखकर सोचेंगे यह कभी नहीं बदलेंगे। किसी को देखकर घृणा नफरत

आयेगी। किसी को देखकर ईर्ष्या होगी। किसी को देखकर क्रोध आयेगा। और किसी को देखकर बदले की भावना।

यह सब भावनायें हमारे चित्त को प्रभावित करते है। जैसी हमारी भावना होती है, वैसा ही रेसपॉन्स हमें दुसरों से मिलता है। वैसे ही वायब्रेशन्स दुसरों से हमारे ओर आते है। वह हमें प्रभावित करते है।

किसी को देखकर हमारे मन में क्षीणता हुई। इसने मेरा जीवन नष्ट कर दिया। इसने मेरी सुख शान्ति छीन ली। यही सबसे बड़े विघ्न है मेरे मार्ग में। तो उसके मन में भी मेरे लिए निगेटिविटी उठेगी। वह भी हमें किसी न किसी अवगुणी दृष्टि से देखेंगे। और उसकी यह वायब्रेशन्स हमको बहुत बूरी तरह से इफेक्ट करेंगे। हमारी हर चीज को प्रभावित करेंगे।

" **हम भगवान के बच्चे है .. हम महान आत्मायें है** .. हम इष्ट देव देवियाँ है .. हम सबके पूर्वज है .. हमसे तो सबको प्यार और शुभ भावना ही जानी चाहिए .. जिसे देखें उसे हमसे प्यार मिले .. जिस पर हमारी दृष्टि जाये उसे हमसे शुभ भावनायें प्राप्त हो "

यह हमारी बहुत बड़ी सेवा होगी। और जब दुसरों से रिटर्न आयेगा वह भी ऐसा ही आयेगा, जो हमारे चित्त को शान्ति और प्रसन्नता से भरेगा। जो हमारी एकाग्रता को बहुत ज्यादा बढ़ा देगा।

जिसके प्रति भी हमारे मन में निगेटिव भावनायें है, आज से उसे आत्मा देखने की प्रैक्टिस करेंगे इस संकल्प के साथ कि ...

" यह भी शिवबाबा के संतान .. बहुत अच्छी आत्मायें है .. वर्तमान में किसी विकार के कारण .. या हमारी किसी के कारण .. उनकी यह स्थिति हुई है .. पर है तो यह बहुत अच्छी आत्मा "

जस्ट एक सेकण्ड प्यार की फीलिंग ले आये ...

" यह भी हमारे अपने है .. इनका भी कल्याण हो .. इनके भी उन्नति हो .. इन्हें भी सदबुद्धि प्राप्त हो .. इनका जीवन भी निर्विघ्न बने .. यह आगे बढ़े "

हमें तो **अमृत** वरसाना है। हमसे तो लोग शीतलता की छींटे चाहते है। हम हर तपती हुई आत्मा पर शीतलता की छींटे डालते चले। और वह होगा हमारी प्रेम और शुभ भावनाओं की दृष्टि से।

तो आइये आज सारा दिन हम इस स्वमान में रहे ...

" मैं एक महान आत्मा हूँ .. मैं पूर्वज हूँ .. सबको देने वाली इष्ट देवी इष्ट देव हूँ "

और अभ्यास करे ....

" मुझ आत्मा से सबको प्रेम और शुभ भावनाओं के सुखद वायब्रेशन्स जा रहे है "

आत्मा देखेंगे सबको ...

" मेरे चारों ओर हजारों आत्मायें खड़ी है .. और मुझसे यह प्यार और शुभ भावनाओं के फाउन्टेन सब पर पड़ रहा है .. सब सुखी हो रहे है "

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org